बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

दिसंबर, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची

पेज नं.

(A)	सोनपुर मेला में आपदा जोखिम न्यूनीकरण जनजागरूकता पैवेलियन	03
(B)	बालासोर ट्रेन दुर्घटना : पीड़ितों के राहत व पुनर्वास हेतु प्रयास जारी	08
(C)	तैयार हो रहा हीट एक्शन प्लान एवं कोल्ड एक्शन प्लान	09
(D)	जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्ययोजना	11
(E)	दिव्यांग अस्पतालों में मॉकड्रिल कार्यक्रम	12
(F)	माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	13
(G)	मदरसों के 110 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण	14
(H)	धरोहरों को संरक्षित रखने का प्रयास	15
(I)	आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम	16
(J)	'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में पर्वतारोही लक्ष्मी झा ने रखे अपने विचार	18
(K)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	19
(L)	व्यय विवरणी	20
(M)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	21

(A) सोनपुर मेला में आपदा जोखिम न्यूनीकरण जनजागरूकता पैवेलियन

जिला प्रशासन, सारण ने पैवेलियन को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति हरिहर क्षेत्र, सोनपुर मेला– 2023 के अवसर पर प्राधिकरण के पैवेलियन के अधिष्ठापन हेतु विभिन्न हितधारकों यथा एन०डी०आर०एफ०, एस०डी०आर०एफ०, सिविल डिफेंस, युगान्तर, एन०सी०सी० उड़ान, बिहार अग्निशाम सेवाएँ एवं गृह रक्षा वाहिनी, आशादीप दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं अंतरज्योति नेत्रहीन बालिका विद्यालय, गतिविधि संस्था, उत्कर्ष एक पहल व डाक्टर्स फॉर यू संस्था तथा नुक्कड़ नाटक टीमों आदि के साथ पूर्व तैयारी बैठक दिनांक 06.10.2023 को प्राधिकरण के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। पैवेलियन अधिष्ठापन सहित सभी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु संबंधित को जवाबदेही सौंपी गई। पैवेलियन का उद्घाटन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ0 उदय कांत के द्वारा तथा माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय, माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र, सचिव श्री मीनेन्द्र कुमार की उपस्थिति में दिनांक 29 नवम्बर, 2023 को किया गया था।

तत्पश्चात, मेला समाप्ति तक लगभग एक माह पैवेलियन के अंदर एवं सोनपुर मेला प्रक्षेत्र में हितधारकों के सहयोग से आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी विविध जन–जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन एवं प्रचार–प्रसार का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। एन०डी०आर०एफ० के स्टॉल में रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी, नाभिकीय (सी०बी०आर०एन०) उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। आपदाओं के दौरान उपयोगी संचार उपकरण, खोज एवं बचाव उपकरण, प्राथमिक उपचार आदि के उपकरणों का प्रदर्शन एवं इनकी उपयोगिता के बारे में जन–सामुदाय को अवगत कराया गया। भूकंप आपदा के पश्चात की जाने वाली कार्यवाही के दौरान प्रत्युत्तर को श्वान दस्ते (Dog Show) के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

एस०डी०आर०एफ० के स्टॉल पर घरेलू संसाधनों से डूबने से बचाव के विभिन्न राफ्ट जैसे बोतल राफ्ट, नारियल राफ्ट, गैलन राफ्ट, फुटबॉल राफ्ट, लोकल लाइफब्बॉय जैकेट, ड्रम राफ्ट आदि को बनाने एवं इनके उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इन राफ्ट की महत्ता बाढ़ के दौरान लोगों के जान माल के नुकसान से बचने के लिए होती है। इसके अलावा एस०डी०आर०एफ० द्वारा हृदय पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया (सी०पी०आर०) एवं प्राथमिक उपचार की अन्य विधियों के बारे में लोगों को अवगत कराया गया। एस०डी०आर०एफ० की नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा पैवेलियन के अंदर एवं मेले के दौरान सर्पदंश प्रबंधन विषय पर रोचक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतीकरण किया गया।

बिहार अग्निशाम सेवा के स्टॉल पर अग्नि सुरक्षा के संबंध में अग्निशामक यंत्रों एवं अन्य संबंधित उपकरणों तथा अग्निशामक यंत्र के उपयोग की विधि के बारे में लोगों को अवगत कराया गया। नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से मेले में घूम–घूम कर आम लोगों के बीच आग से बचाव तथा गैस सिलेन्डर में लगी आग को बुझाने की जानकारी एवं लोगों की भागीदारी में इसका डिमान्स्ट्रेशन किया गया जो कि विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही अग्नि सुरक्षा हेतु प्रचार–प्रसार सामग्री एवं प्राधिकरण द्वारा तैयार पंडालों में अग्नि सुरक्षा के उपाय के संबंध पोस्टर का वितरण सोनपुर मेले परिसर में स्थित अन्य पैवेलियन पर भी किया गया।

सिविल डिफेंस के स्टॉल पर आपदाओं की स्थिति में उपयोगी विभिन्न बचाव संबंधी Improvised तरीकों का प्रदर्शन किया गया। सिविल डिफेंस के वालन्टियर्स द्वारा प्राधिकरण पैवेलियन के अंदर एवं मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सी०पी०आर०, घरेलू संसाधनों जैसे–कंबल, चादर, गमछा, रस्सी, दुपट्टा आदि से स्ट्रैचर बनाकर हताहत व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर ले जाने, मानव वैशाखी, फायर मैन लिफ्ट, हताहत व्यक्ति को रेंगते हुये ले जाना आदि के बारे में मॉक प्रदर्शन किया गया। इस वर्ष सिविल डिफेंस के द्वारा सीपीआर विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन भी कराया गया।

वर्ष 2023 में पहली बार सी0एच0आर0पी0 (ए.आर., वी.आर. तकनीक) के सहयोग से 3डी एनिमेशन फिल्म/ वी.आर. (वर्चुअल रियलिटी) डिवाइस की मदद से लोगों को अग्निशमन के तरीकों के बारे आम

जनमानस की भागीदारी में जनजागरूकता एवं संवेदीकरण किया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी उत्साहजनक रही। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के प्रोफेसर डॉ. ए.के. सिन्हा ने ए.आर, वी. आर. स्टॉल का अवलोकन किया। डॉ. सिन्हा ने जनजागरुकता के लिए किए जा रहे प्राधिकरण के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने बाढ़ व भूकंप जैसी आपदाओं में इस तकनीक की उपयोगिता पर बल दिया।

अंतरज्योति बालिका विद्यालय, कुम्हरार, पटना की दृष्टिबाधित बालिकाओं के द्वारा जिला प्रशासन के मुख्य पंडाल में भूकंप से बचाव के संबंध में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गयी। साथ ही इन बच्चियों के द्वारा तैयार हस्तनिर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

आशादीप दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, पटना के मूक–बधिर बच्चों ने मेले के मुख्य पंडाल में मूक अभिनय/माइम शो के जरिये आपदाओं में सुरक्षित रहने का संदेश दिया। इन बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा देखकर दर्शक व श्रोता हतप्रभ नजर आए। मूक–बधिर बच्चों में विभिन्न आपदाओं से बचाव की जानकारी

नाटक के माध्यम से दी। 18 बच्चों की टीम ने बाढ़, भूकंप, आग, वज्रपात, सड़क दुर्घटना, और शीतलहर जैसी आपदाओं में सुरक्षित रहने का संदेश दिया।

मुख्यमत्री विद्यालय सुरक्षा सुरक्षित कार्यक्रम (शनिवार) के अंतर्गत स्थानीय विभिन्न विद्यालयों के लगभग हज़ारों से अधिक बालक / बालिकाओं ने पैवेलियन का भ्रमण किया और विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण, भूकंप सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, बाल सुरक्षा एवं सर्पदंश प्रबंधन आदि विषयों पर डिमान्सट्रेशन, प्रतियोगिताओं, चित्रकारी के द्वारा अभिमुखीकरण किया गया। प्रतिभागी बालक/बालिकाओं के बीच टी–शर्ट, टोपी, पेंसिल, रबर, कटर, कलर, स्केच पेन एवं लूडो आदि सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

डॉ० श्रवण कुमार सिंह, प्रशिक्षक, रेड क्रॉस, बिहार के द्वारा मेले के बीच में कई दिवसों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार) के अन्तर्गत पैवेलियन में आने वाले बालक/ बालिकाओं को विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में बताया गया एवं मॉक अभ्यास कराया गया।

वर्ष 2023 में पहली बार प्राधिकरण के द्वारा आमजनमानस को विभिन्न आपदाओं से बचाव जागरूक करने के उद्देश्य से पपेट शो, बायोस्कोप एवं पहेलियां–मुकरियां प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। डॉक्टर्स फॉर यू, राज्य अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण संगठन एवं कैरिटास इंडिया के सहयोग के सहयोग से लोगों को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया गया।

उत्कर्ष एक पहल संस्था के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की गयी। उक्त संस्था से जुड़े चिकित्सकों और पैरामेडिक्स के द्वारा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्रदान की गयी।

प्राधिकरण के स्टाल के माध्यम से भूकम्प से बचाव के उद्देश्य से लोगों को Shake table के माध्यम से demonstration तथा भूकंपरोधी मकान बनाने की जानकारियां प्रदान की गयीं। प्राधिकरण के द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव के संबंध में तैयार किये गये गेम का प्रदर्शन किया गया। जिसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भूकम्प सुरक्षित निर्माण सम्बन्धी स्टाल पर 8 अभियंता प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। इस स्टाल पर फूटफॉल उत्साहजनक रहा।

एन0सी0सी0 उड़ान के द्वारा रोड सेफ्टी थियेटर के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं के कारणों एवं बचाव के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही

प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव के संबंध में तैयार की गयी प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण किया गया। एन0सी0सी0 उड़ान के स्वयंसेवकों के सहयोग से मेला अवधि के दौरान आस पास के विद्यालयों में बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा विषय पर जनजागरूकता एवं demonstration किया गया।

दिनांक 22 दिसंबर, 2023 को सोनपुर मेला में प्राधिकरण द्वारा एन. सी. सी. कैडेट्स, स्काउट्स एवं

गाइड्स, एस.डी.आर.एफ, अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा, युगांतर (मुकरियां टीम), सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच नुक्कड़ नाटक टीम आदि के सहयोग से शीतलहर से बचाव एवं सड़क सुरक्षा विषय पर जन–जागरुकता रैली आयोजित की गई। प्राधिकरण के वरीय सलाहकार, डॉ. अनिल कुमार एवं रेड क्रॉस, बिहार के उपाध्यक्ष डॉ. उदय शंकर सिंह के द्वारा उक्त रैली को झंडा दिखाकर रवाना किया गया। इस रैली में लगभग 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया। यह रैली प्राधिकरण के पैवेलियन से प्रारंभ होकर महेश्वर चौक, सोनपुर रेलवे स्टेशन मुख्य मार्ग, लकड़ी बाजार, चिड़िया बाजार, मेला क्षेत्र प्रदर्शनी से होते हुए पुनः पैवेलियन के पास समाप्त हुई। विकास प्रबंधन संस्थान, पटना के Centre of Excellence in Disaster Management के द्वारा "कौन बनेगा आपदा ज्ञानी" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के बीच चित्रकारी प्रतियोगिता कराई गई तथा पुरस्कार वितरण किया गया।

सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच, आपसदारी कला मंच, मंथन कला परिषद, एकजुट संस्थान, नुक्कड़ नाटक टीमों द्वारा शीतलहर से बचाव, डूबने की घटनाओं की रोकथाम, सडक सुरक्षा, तथा अग्नि सुरक्षा आदि विषयों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पैवेलियन में एवं मेला परिसर में विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक मंचन द्वारा समुदाय के बीच जन–जागरूकता एवं संवेदीकरण किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण की ओर से आपदा से बचाव हेतु विभिन्न विषयों पर बनी फिल्मों को प्राधिकरण पैवेलियन में, मुख्य पंडाल एवं मेला परिसर मे स्थित अन्य स्टाल्स पर भी किया गया। जिला प्रशासन, सारण द्वारा प्राधिकरण के पैवेलियन को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। प्राधिकरण को प्राप्त इस सम्मान में सभी हितधारकों एवं प्राधिकरण की पूरी टीम की महती भूमिका रही एवं संबंधित पदाधिकारियों का योगदान सराहनीय रहा।

(B) बालासोर ट्रेन दुर्घटना : पीड़ितों के राहत व पुनर्वास हेतु प्रयास जारी

बालासोर ट्रेन दुर्घटना ने देश और कई राज्यों विशेषकर बिहार को प्रभावित किया। माननीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व एवं माननीय सदस्यों के मार्गदर्शन में बिहार ने स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से पीड़ितों के पुनर्वास हेतु तत्क्षण कार्य शुरू किया और सफलता के साथ यह आज भी आगे बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट विश्वास के तहत दीर्घकालीन पुनर्वास योजना पर रिलायंस फाउंडेशन एवं जीविका के साथ प्राधिकरण संयुक्त रूप से कार्य करते हुए आपदा के बाद पुनर्वास, पुनर्प्राप्ति एवं सतत जीविका हेतु एक उदाहरण स्थापित कर रहा है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई का सहयोग हर स्तर पर मिल रहा है।

1. मृत पीड़ित परिवार, जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा नौकरी, कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जाना है – 60
2. घायल पीड़ित परिवारों, जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जान है – 31
3. मृत पीड़ित परिवार, जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जाना है – 59
4. घायल पीड़ित परिवार, जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जाना है – 48

उपरोक्त सूची जीविका के सीईओ एवं रिलायंस फाउंडेशन को 17 अक्टूबर, 2023 को ही भेज दी गई एवं उनके साथ लगातार समन्वय कर इस कार्य को धरातल पर उतारने का प्रयास चल रहा है। इसी कड़ी में रिलायंस फाउंडेशन के साथ दिनांक 26–12–2023 को पूर्वाह्न 11.30 बजे एक ऑनलाइन बैठक हुई। रिलायंस फाउंडेशन की ओर से उनके आपदा प्रबंधन के प्रमुख श्री अनिमेष प्रकाश, प्रबंधक श्री भारत कुमार एवं श्री आनंद बिजेता उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत में प्राधिकरण द्वारा निम्न जानकारी दी गई :

1. रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और पशुधन सहायता के लिए जीविका समूह (बीआरएलपीएस) द्वारा किए गए विस्तृत भौतिक सर्वेक्षण के आधार पर पहचाने गए पीड़ितों/पीड़ित परिवारों के नाम वाली दो एक्सेल शीट, 1 (मृतक) और 2 (घायल), रिलायंस फाउंडेशन को दी जा चुकी है।
2. मृतक के परिवारों से 39 रोजगार के लिए, 24 कौशल प्रशिक्षण के लिए और पशुधन सहायता के लिए 16 चिन्हित किये गए हैं।
3. घायलों के परिवारों से 18 कौशल प्रशिक्षण के लिए और 16 को पशुधन सहायता के लिए चिन्हित किये गए हैं।

रिलायंस फाउंडेशन ने बताया कि वे जिला स्तर पर अपने नेटवर्क संगठनों के समन्वय से पहचाने गए पीड़ितों (मृतकों) की सूची को अंतिम रूप देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रिलायंस फाउंडेशन के मानदंडों के अनुसार केवल मृतक के आश्रितों, जिनके पास कक्षा 8वीं पास (कम से कम) और जो 18–26 वर्ष की आयु के हों, को नौकरी के लिए विचार किया जाएगा। रिलायंस के श्री अनिमेश प्रकाश ने उनके द्वारा किये गए कार्यों की निम्न जानकारी दी :

1. जनवरी, 2024 के अंत तक नौकरी से संबंधित पहचाने गए पीड़ितों की एक विस्तृत सूची एवं स्थान को अंतिम रूप दे देंगे।
2. पशुधन सहायता के लिए एक वेंडर की पहचान की कर ली गयी है। यही वेंडर पीड़ित परिवारों से संपर्क करेगा/जुड़ेगा। परिवारों की सूची, पशुधन सहायता प्रकार आदि की जानकारी, वे जनवरी, 2024 के अंत तक अंतिम रूप से दे देंगे और मार्च, 2024 के अंत तक इस कार्य को पूरा कर लेंगे।
3. यह भी निर्णय हुआ कि रोजगार के लिए पहचाने गए परिवार, यदि आरएफ मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, तो उन्हें पशुधन सहायता देने के लिए विचार किया जायेगा।

(C) तैयार हो रहा हीट एक्शन प्लान एवं कोल्ड एक्शन प्लान

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), गांधीनगर के साथ हुए समझौते (एमओयू) के तहत कार्य चल रहा है। योजना विभाग एवं बिहार मौसम सेवा केंद्र से डाटा संग्रह हेतु विशेष सहयोग का आग्रह किया गया है। बिहार मौसम सेवा केंद्र एवं आईएमडी से प्राप्त जलवायु से सम्बंधित सारे डाटा एवं दस्तावेज आईआईपीएच के साथ साझा कर दिया गया है।

दिनांक 08 दिसंबर, 2023 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर के तत्वावधान में शीतलहर कार्य योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल पनास, पटना में किया गया। शीतलहर से बचाव और कार्य योजना कार्यान्वयन के सापेक्ष बृहद चर्चा के साथ प्राधिकरण के प्रयास से यूनिसेफ, आई जी एस एस एस, कैरिटास, बिहार राज प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, समाज कल्याण विभाग, सूचना एवं प्रसारण विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, जीविका और स्वास्थ्य विभाग, बिहार स्वास्थ्य समिति, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रतिनिधियों सहित एन कॉलेज पटना के पर्यावरण विभाग के कई छात्र इस कार्यशाला में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में शीतलहर के बचाव हेतु समूह गतिविधियों के माध्यम से परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार में शीतलहर से बचाव के लिए क्या किया जाए, इस पर ग्रुप एक्टिविटी के द्वारा जानकारी इकट्ठा की गई।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए सचिव श्री मीनेंद्र कुमार ने कहा कि बिहार में शीतलहर हर वर्ष अपना गहरा प्रभाव डालता है। इस आपदा से बचाव के लिए नीतियों का निर्धारण व इसका कार्यान्वयन बहुत जरूरी है, इसके लिए सभी हितधारकों को साथ आकर कार्य करना होगा। माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय ने कहा कि विभाग क्या करें, यह निर्णय बहुत जरूरी है। प्राधिकरण आपको तकनीकी सहायता प्रदान कर सकता है जिसमें शीतलहर में प्रभावी रूप से कार्य किया जा सकता है। माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने आपदा पूर्ण जानकारी देने वाले टूल की जानकारी देते हुए शीतलहर के क्षेत्र में भी इसी तरह कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने बताया बिहार देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी बन रहा है। डॉ अनिश सिन्हा और डॉक्टर एस. यसोबंत ने प्राधिकरण के सहयोग से शीतलहर से बचाव हेतु कार्य योजना के सापेक्ष जानकारी साझा की। मौसम सेवा केंद्र के डॉ सी एन प्रभु ने शीतलहर और मौसम के बदलते स्वरूप पर प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुति दी। श्री एस. एन. जायसवाल ने जलवायु परिवर्तन वायु प्रदूषण पर अपने विचार साझा किया।

प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने प्राधिकरण और आईआईटी, पटना के सहयोग से विकसित किए जा रहे वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की विस्तार से चर्चा की। इसकी मदद से आम जन तक आपदा पूर्व चेतावनी समय रहते दी जा सकेगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के पूर्व वरीय सलाहकार श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार पहला राज्य है, जो कोल्ड एक्शन प्लान बनाने जा रहा है। जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने है। मौसम का पैटर्न अचानक से

बहुत तेजी से बदल रहा है। भयंकर शीतलहरी के दुष्परिणाम अत्यंत की घातक हैं, जो हमारी सेहत पर खतरनाक असर डालते हैं।

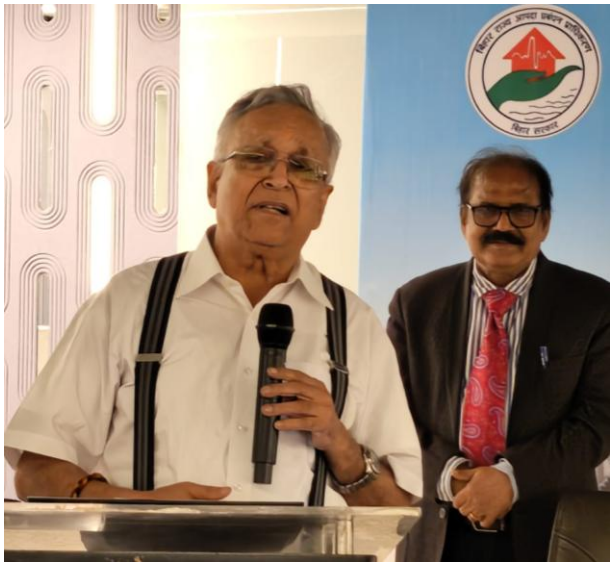

भविष्य की रणनीति पर चर्चा करते हुए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदय कान्त ने सभी हितधारकों को नव तकनीक के माध्यम से शीतलहर से बचाव के लिए कार्य करने की सबल कार्य योजना बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा की ठंड और गर्मी की वजह से लोग नहीं मरते। लोग मरते हैं संसाधनों के अभाव की वजह से। यह जानना ज्यादा जरूरी है कि संसाधनों की कमी से आखिर मौत कैसे होती है? मौसम में जो जरूरी परिवर्तन हो रहे हैं, उसके अनुसार हमारी तैयारी भी होनी चाहिए और उसके लिए सभी को मिलकर एक प्लान जरूर बनाना चाहिए। शीतलहर आने पर क्या करें? तब इसकी तैयारी होती है, जबकि जरूरत है कि शीतलहर आने से पहले हम क्या करें, उसके बारे में अपना प्लान बनाएं। उन्होंने पारंपरिक तरीकों के साथ–साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के जरिये इस क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता जताई। माननीय उपाध्यक्ष ने कहा कि संसाधनों के अभाव और तैयारी की कमी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिसके लिए समयपूर्व तैयारी पर खास ध्यान देना चाहिए। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच का संचालन प्राधिकरण के वरीय सलाहकार डॉ. अनिल कुमार ने किया।

डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण का कार्य प्रगति पर

यूनिसेफ के सहयोग से डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) रोडमैप के अद्यतीकरण का कार्य प्रगति पर है। सभी चैप्टर्स का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। प्राधिकरण स्तर पर जाँच का कार्य चल रहा है। चैप्टर 03 का प्रस्तुतीकरण माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत एवं माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय के समक्ष यूनिसेफ के श्री राजीव कुमार द्वारा किया गया। कई नए सुझाव दिए गए। खासकर 15 साल बाद के जलवायु की स्थिति के विश्लेषण को विशेष रूप से शामिल करने को कहा गया। विभागवार कार्ययोजना बनाकर इसे एक पुस्तिका की शक्ल देने का कार्य भी चल रहा है। शिक्षा विभाग की पुस्तिका के आरंभिक प्रारूप में संशोधन हेतु सुझाव दिए गए हैं। इसे अंतिम रूप दिए जाने के बाद अन्य विभागों की पुस्तिका तैयार की जाएगी। तत्पश्चात सम्बंधित विभागों के साथ उन्मुखीकरण कार्यशाला की जाना है। साथ ही इसका हिंदी अनुवाद भी तैयार किया जाना है।

(D) जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्ययोजना

जलवायु परिवर्तन से संबंधित कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसपर विस्तार से चर्चा हुई। तदुपरांत निर्णय हुआ कि संबंधित विभागों के साथ मिलकर जीरो कार्बन हेतु नीति बनाये जाने पर कार्य किया जाए। हाइड्रोजन एनर्जी पालिसी एवं ईवी पॉलिसी पर कार्य शुरू किए जाने की आवश्यकता है। निर्णयानुसार विभाग हाइड्रोजन पॉलिसी पर कार्य करेगा एवं ड्राफ्ट रिपोर्ट प्राधिकरण को देगा। साथ ही क्षमता विकास एवं संवेदीकरण–जागरूकता के लिए जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित विषयों पर स्वास्थ्य विभाग, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, कृषि विभाग, नगर विकास विभाग एवं जल संसाधन विभाग के साथ संयुक्त कार्यक्रमों की रूपरेखा पर कार्य चल रहा है।

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर और 3डी मॉडल

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर और 3डी मॉडल पर एक कांसेप्ट नोट तैयार किया गया जिसे आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। आपदा प्रबंधन में तैयारी, प्रतिक्रिया, शमन, जागरूकता एवं क्षमता निर्माण इन मॉडल्स के माध्यम से प्राधिकरण का क्षमतावर्धन किया जा सकता है। इस कार्य हेतु एक कंसल्टेंट नियोजित करने का निर्णय हुआ है। संबंधित कंपनियों से पत्राचार किया गया है। जवाब की प्रतीक्षा है।

शीतलहर से संभावित प्रभाव एवं नाजुक समुदायों से संबंधित तैयारियों का रैपिड सर्वेक्षण

निदेशानुसार शीतलहर से संभावित प्रभाव एवं नाजुक समुदायों से सम्बंधित तैयारियों के रैपिड सर्वेक्षण के लिए कई स्वयंसेवी संस्थाओं से संपर्क कर उनसे सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया गया है। स्वयंसेवी संस्थाओं की सहमति से त्वरित सर्वेक्षण निम्न जिलों में इन संस्थाओं के द्वारा किये जाने का निर्णय हुआ है :

1 अररिया – युगांतर
2. सीतामढ़ी – युगांतर
3. नवादा – कैरिटास इंडिया
4. गया – आईजीएसएसएस

तदनुसार सर्वेक्षण कार्य गया में शुरू हो चुका है एवं अन्य जिलों में शुरू किये जाने हेतु प्रयास चल रहा है। सम्बंधित जिलाधिकारियों को निर्णयानुसार सर्वेक्षण में सहयोग हेतु पत्र दिया जाना है।

(E) दिव्यांग अस्पतालों में मॉकड्रिल कार्यक्रम

प्राधिकरण के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस, 3 दिसंबर, 2023 को भारत विकास न्यास द्वारा संचालित पहाड़ी, पटना स्थित दिव्यांगजनों के अस्पताल भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में दिव्यांगजन समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम के तहत मॉकड्रिल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया गया। राज्य आपदा मोचन बल के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर और जवानों ने यह कार्यक्रम संपन्न कराया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के माननीय वित्त व वाणिज्य–कर मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी ने किया। इस न्यास के महामंत्री माननीय पद्मश्री विमल कुमार जैन भी मौजूद रहे। माननीय मंत्री ने आपदा प्रबंधन हेतु दिव्यांगजनों के लिए किए जा रहे कार्यों में गहरी दिलचस्पी दिखाई और स्वयं भी मॉकड्रिल देखा और कहा कि यह एक अनूठा प्रयास है और बीएसडीएमए इसके लिए बधाई का पात्र है। पूर्व मुख्य सचिव श्री अशोक चौधरी भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इसी कड़ी में कंकड़बाग पटना स्थित दिव्यांगजनों के अस्पताल में दिनांक : 18–12–2023 को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम के द्वारा दिव्यांगजनों, डॉक्टर्स, पैरामेडिक्स और मरीजों के परिजनों हेतु एक मॉकड्रिल प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अस्पताल के निदेशक भी मौजूद रहे।

'दिव्यांगता और बाल अधिकार' पर बैठक : यूनिसेफ के तत्वावधान में दिनांक 06 दिसंबर को पटना में 'दिव्यांगता और बाल अधिकार' विषय पर आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे दिव्यांगजन समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम की जानकारी प्रतिभागियों को प्राधिकरण के वरीय सलाहकार श्री दिलीप कुमार और श्री संदीप कमल द्वारा दी गई। कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न संस्थाओं ने प्राधिकरण के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की।

(F) माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में दो–दो फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित करने एवं सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालिव करने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रखण्ड से एक–एक शिक्षक को तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। उपरोक्त के क्रम में माह दिसम्बर–2023 में तीन बैचों में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13–15 दिसम्बर, 2023, 18–20 दिसम्बर, 2023 एवं 27–29 दिसम्बर, 2023 के अन्तराल में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, शिवहर, सारण, सीवान, गोपालगंज, दरभंगा, समस्तीपुर, एवं मधुबनी जिले से 159 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षिण देकर प्रशिक्षित किया गया। इसका विवरण इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	16–18 अक्टूबर, 2023	पटना, भोजपुर एवं बक्सर	48
2	1–3 नवम्बर, 2023	कैमुर, रोहतास एवं नालन्दा	50
3	7–9 नवम्बर, 2023	गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद एवं अरवल	61
4	28–30 नवम्बर, 2023	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं पश्चिम चम्पारण	50
5	13–15 दिसम्बर, 2023	पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी एवं शिवहर	48
6	18–20 दिसम्बर, 2023	सारण, सीवान एवं गोपालगंज	52
7	27–29 दिसम्बर, 2023	दरभंगा, समस्तीपुर, एवं मधुबनी	59

(G) मदरसों के 110 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिसंबर माह में तीन बैच में मदरसों के कुल 110 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। राज्यस्तरीय इस दोदिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने फोकल शिक्षकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। ये फोकल शिक्षक यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने अपने मदरसों में अन्य शिक्षकों तथा बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे तथा प्रत्येक शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालित करेंगे। मदरसा बोर्ड की ओर से इन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। ये कार्यक्रम मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किए जा रहे हैं जिससे मदरसों में आपदा प्रबंधन हेतु एक सोच विकसित होगी तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपाय सीख पाएंगे। साथ ही सुरक्षित शनिवार सम्बन्धी विभिन्न आपदाओं के वार्षिक चक्र को समझते हुए उनसे बचने के उपाय के जानकारी प्राप्त करेंगे।

(H) धरोहरों को संरक्षित रखने का प्रयास

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने राज्य के चुनिंदा ऐतिहासिक धरोहरों को विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षित रखने के उद्देश्य से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) पटना के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। Vulnerability Assessment and Remedial Measures for Protected Monuments in Bihar विषयक एमओयू संपन्न होने के उपरांत कार्य प्रगति पर है। इन्सेप्शन रिपोर्ट एनआईटी ने समर्पित कर दिया है। साथ ही प्रोजेक्ट सम्बन्धी जेआरएफ की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। प्रथम किश्त के तौर पर रु 2,77,900 का भुगतान प्राधिकरण द्वारा कर दिया गया है। इससे संबंधित प्रथम संमीक्षा बैठक दिनांक 13–12–23 को माननीय सदस्य श्री पी एन राय की अध्यक्षता में हुई जिसमे उनके कार्य को सराहनीय पाया गया।

वेबसाइट का अद्यतीकरण : प्राधिकरण की वेबसाइट को अद्यतन करने का कार्य प्रगति पर है। आवश्यक जानकारी के साथ प्राधिकरण के कार्यों का प्रदर्शन बेहतर तरीके से करने का प्रयास हो रहा है। वेबसाइट पर अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में जानकारी प्राप्त करने के लिए भाषा विकल्प दिए गए हैं।

(I) आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम

जिला स्तर पर मॉकड्रिल कोर टीम के नौ दिवसीय प्रशिक्षण के लिए प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं अग्निशाम सेवा के सहयोग से प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया है। इसके आधार पर नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, बिहटा जिला कोर टीम का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हो रहा है। इस क्रम में कटिहार, अररिया और शेखपुरा जिले की कोर टीम के सदस्यों का प्रशिक्षण नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, बिहटा में दिनांक 05–12–2023 से 13–12–2023 तक की अवधि में संपन्न हो गया है।

अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूकंप के दौरान आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की

संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के साथ प्रस्तावित एमओयू के सन्दर्भ में संशोधित ड्राफ्ट दुबारा प्राधिकरण को प्राप्त हुआ जिस पर फिर से विधिक परामर्श लिया गया। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार इसे अन्तिम रूप देने हेतु एनएसडीसी को भेज दिया गया है।

बी एस टी एन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) की स्थापना

बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था। उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्यवाही हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया। बीएसटीएन के भवन निर्माण में हुई त्रुटि एवं जल रिसाव को ठीक करने के बिंदु पर आवश्यक निदेश भवन निर्माण निगम को दिया गया है।

भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य द्वारा औपचारिक उद्घाटन का अनुरोध किया गया है, जिसके आलोक में तिथि निर्धारण हेतु प्रस्ताव समर्पित है। इधर, भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु एनआईटी, पटना के प्रो० ए.के. सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट समर्पित किया गया है। उनके द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह 2024 से सम्बंधित विविध गतिविधियों का प्रस्ताव माननीय उपाध्यक्ष व माननीय सदस्य को समर्पित किया गया। दिनांक 28–12–2023 को मा० उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक हुई तथा विभिन्न कार्यक्रम तय किए गए।

(J) 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में पर्वतारोही लक्ष्मी झा ने रखे अपने विचार

'किसी भी चीज में सफल होने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि आपका मन–मस्तिष्क उसके लिए तैयार हो। एक बार मनःस्थिति (माइंडसेट) बना ली, पहला कदम उठा लिया, तो 50 फीसद सफलता तो आपने उसी दिन प्राप्त कर ली। एक और चीज का खास ख्याल रखें। दूसरे आपके बारे में क्या सोचते हैं या क्या बोलते हैं, इसकी बिल्कुल परवाह मत करिए।' उक्त बातें बिहार की बेटी और पर्वतारोही सुश्री लक्ष्मी झा ने प्राधिकरण सभाकक्ष में आयोजित 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में कही। दुनिया की चौथी सबसे ऊंची पर्वत चोटी किलिमंजारो को महज 36 घंटे में फतह कर रिकॉर्ड बनाने वाली सुश्री लक्ष्मी झा 29 दिसंबर, 2023 को कर्मियों से रू–ब–रू थीं। इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय, माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र व सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) सहित तमाम प्राधिकरणकर्मी मौजूद थे। सुश्री लक्ष्मी झा सहरसा जिले के बनगांव की रहनेवाली है। उनका इरादा नए वर्ष (2024) में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का है। उन्होंने अपनी संघर्षमय जीवन यात्रा का विस्तार से ब्योर दिया। साथ ही कहा कि लड़कियां किसी भी मायने में लड़कों से कम नहीं होती हैं।

दिसंबर माह में 'हिंदी हैं हम' का आयोजन

हर माह की 14 तारीख को हिंदी दिवस मनाने के निर्देश के आलोक में दिसंबर, 2023 महीने में हिंदी दिवस कार्यक्रम 'हिंदी हैं हम' 28 दिसंबर को अपराह्न 4.00 बजे से आयोजित किया गया। प्राधिकरण कर्मियों के बीच मुहावरे व लोकोक्तियों पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस मौके पर पूर्व में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य कार्यालय में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग और शुद्ध हिंदी लिखने और बोलने के लिए कर्मियों को प्रेरित करना है।

(K) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर दिसंबर माह में राज्य के कुल 393 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 14 सरकारी एवं 379 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

Month December -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise							
Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	1	36	37
2	Nalanda	0	0	0	2	39	41
3	Rohtas	0	0	0	0	5	5
4	Bhabhua	0	0	0	0	6	6
5	Bhojpur	0	0	0	0	0	0
6	Buxar	0	0	0	0	13	13
7	Gaya	0	4	4	0	13	13
8	Jehanabad	0	0	0	2	1	3
9	Arwal	0	0	0	1	16	17
10	Nawada	0	0	0	0	2	2
11	Aurangabad	0	0	0	0	3	3
12	Chhapra	0	0	0	0	3	3
13	Siwan	0	0	0	0	16	16
14	Gopalganj	0	0	0	0	13	13
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	15	15
16	Sitamarhi	0	0	0	0	5	5
17	Sheohar	0	0	0	0	1	1
18	Bettiah	0	0	0	0	3	3
19	Bagaha	0	0	0	0	3	3
20	Motihari	0	0	0	1	19	20
21	Vaishali	0	0	0	0	14	14
22	Darbhanga	0	0	0	0	9	9
23	Madhubani	0	0	0	1	15	16
24	Samastipur	0	0	0	0	14	14
25	Saharasa	0	0	0	0	4	4
26	Supaul	0	0	0	0	6	6
27	Madhepura	0	0	0	0	1	1
28	Purnea	2	1	3	0	18	18
29	Araria	0	0	0	0	3	3
30	Kishanganj	0	0	0	0	17	17
31	Katihar	0	0	0	0	0	0
32	Bhagalpur	0	0	0	0	19	19
33	Naugachhia	0	0	0	0	0	0
34	Banka	0	0	0	0	2	2
35	Munger	0	0	0	2	4	6
36	Lakhisarai	0	0	0	0	1	1
37	Shekhpura	0	0	0	0	3	3
38	Jamui	0	0	0	1	9	10
39	Khagaria	0	0	0	0	5	5
40	Begusarai	0	0	0	1	18	19
Total		2	5	7	12	374	386

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 11,712 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(L) दिसंबर माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (दिसम्बर - 2023)		
A	**31-04 (वेतन)**	24,96,006
B	**31-06 (गैर-वेतन)**	
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	13,08,624
2	कार्यालय व्यय	2,59,928
3	जन जागरुकता	5,65,410
4	नौका दुर्घटना	4,13,000
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	3,85,820
6	जीविका दीदी प्रशिक्षण	71,500
7	राजमिस्त्री प्रशिक्षण	20,000
8	भूकंप सुरक्षा	12,120
9	गर्म हवा कार्य-योजना	2,089
10	मौक ड्रील	99,600
11	सोनपुर मेला 2023	31,964
12	बिहार दिवस	13,810
13	हिंदी दिवस	2,980
14	इनसे मिलिए	16,790
15	प्रकाशन एवं मुद्रण	13,165
16	सम्मान समारोह	5,88,320
17	यात्रा-भत्ता	5,124
18	विद्युत्	592
19	चिकित्सा	16,024
20	दूरभाष	4,555
C	"अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र"	2,61,17,975

(M) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

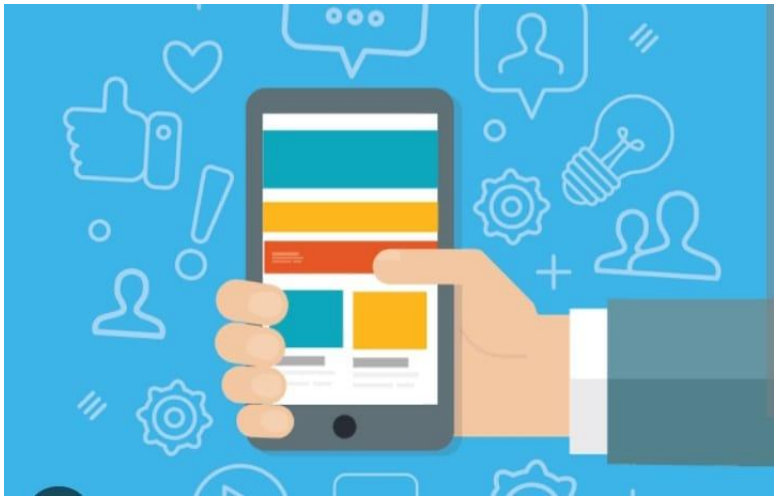

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। नवंबर, 2023 में कुल 1126549 मास मैसेजिंग किए गए।